भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-220
उत्तर देने की तारीख-04/12/2023

गुणवत्ता शिक्षा का मूल्यांकन

†220. श्री अण्णासाहेब शंकर जोल्ले:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार द्वारा देश में प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा की गुणवत्ता का मूल्यांकन करने के लिए हाल ही में कोई सर्वेक्षण/अध्ययन कराया गया है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) देश में प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं; और
(घ) इस संबंध में कार्यान्वित किए जा रहे विशिष्ट कार्यक्रमों का विशेष रूप से कर्नाटक सहित राज्य-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(**श्रीमती अन्नपूर्णा देवी**)

(क) से (घ): भारत सरकार तीन साल की चक्रीय अवधि के साथ कक्षा III, V, VIII और X के लिए नमूना आधारित राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण (एनएएस) का एक रोलिंग कार्यक्रम लागू कर रही है। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) से आवधिक रूप से एनएएस आयोजित कर रही है। एनएएस का उद्देश्य बेहतर शिक्षा प्रणाली के संकेतक के रूप में बच्चों की प्रगति और अधिगम दक्षता का मूल्यांकन करना है ताकि विभिन्न स्तरों पर सुधारात्मक कार्रवाई के लिए उचित कदम उठाए जा सकें। एनएएस का अंतिम राउंड दिनांक 12.11.2021 को आयोजित किया गया था और इसमें कक्षा 3 और 5 के लिए भाषा, गणित और पर्यावरण विज्ञान; कक्षा 8 के लिए भाषा, गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान और कक्षा 10 के लिए भाषा, गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और अंग्रेजी में छात्रों का मूल्यांकन किया गया था। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के 720 जिलों के 1.18 लाख स्कूलों (क) सरकारी स्कूल (केंद्र सरकार और राज्य सरकार) (ख) सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल; और (ग) निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों के लगभग 34 लाख छात्रों का मूल्यांकन किया गया था।

इसके अलावा, सरकारी स्कूलों (केंद्र सरकार और राज्य सरकार), सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों और निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों सहित सभी प्रकार के स्कूलों के छात्रों का निष्पादन दर्शाने वाला

एनएएस 21 का राष्ट्रीय, राज्य और जिला रिपोर्ट कार्ड दिनांक 25.05.2022 को सार्वजनिक डोमेन http://nas.gov.in पर जारी किया गया है।

हाल ही में, शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत एनसीईआरटी में एक मानक-निर्धारण निकाय, राष्ट्रीय मूल्यांकन केंद्र - समग्र विकास के लिए ज्ञान का प्रदर्शन मूल्यांकन, समीक्षा और विश्लेषण (परख) ने 03.11.2023 को राज्य शैक्षिक उपलब्धि सर्वेक्षण (एसईएएस) - 23 का आयोजन किया है, जिसमें कर्नाटक राज्य सहित 30 राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में ग्रेड 3, 6 और 9 के लगभग 8 मिलियन शिक्षार्थियों को शामिल किया गया है। इस सर्वेक्षण का प्राथमिक उद्देश्य प्रत्येक शैक्षिक चरण अर्थात् मूलभूत, प्रारंभिक और मिडिल के अंत में बुनियादी साक्षरता, बुनियादी संख्याज्ञान, भाषा और गणित में छात्रों की अधिगम दक्षताओं का मूल्यांकन करना है। एसईएएस -23 की उल्लेखनीय विशेषताओं में से एक जिले से रणनीतिक शिफ्ट के परिणामस्वरूप ब्लॉक स्तर पर अधिगम अंतराल को समझने के लिए छात्रों के सैंपल साइज का विस्तार होना है।

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग 2018-19 से स्कूली शिक्षा के लिए एक एकीकृत केंद्र प्रायोजित योजना- समग्र शिक्षा लागू कर रहा है। इस योजना को अब पुन: डिजाइन किया गया है और राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 की सिफारिशों के अनुरूप बनाया गया है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी बच्चों को एक समान और समावेशी कक्षा वातावरण के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच प्राप्त हो, जिसमें उनकी विविध पृष्ठभूमि, बहुभाषी आवश्यकताओं, विभिन्न शैक्षणिक क्षमताओं का ध्यान रखा जाए और उन्हें अधिगम की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार बनाया जाए।

शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय द्वारा निम्नलिखित पहल की गई हैं:

i. समग्र शिक्षा के तहत राष्ट्रीय साक्षरता एवं संख्याज्ञान दक्षता पहल(निपुण भारत) शुरू की गई है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि देश का प्रत्येक बच्चा आवश्यक रूप से ग्रेड 3 के अंत तक बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान (एफएलएन) प्राप्त कर ले, और इसके लिए ई-सामग्री दीक्षा प्लेटफॉर्म पर जारी की गई है।
ii. निष्ठा – स्कूल प्रमुखों और शिक्षकों की समग्र उन्नति के लिए राष्ट्रीय पहल एक एकीकृत शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम है जिसे एनसीईआरटी द्वारा लगभग 42 लाख प्रारम्भिक शिक्षकों और प्रारम्भिक स्तर पर स्कूलों के प्रमुखों, एससीईआरटी और डीआईईटी के संकाय सदस्यों और ब्लॉक संसाधन समन्वयकों और क्लस्टर संसाधन समन्वयकों की क्षमताओं का निर्माण करने के लिए डिजाइन किया गया है। विभिन्न चरणों में शिक्षकों को शामिल करने के लिए इस कार्यक्रम का विस्तार किया गया है। अभी तक निष्ठा प्रारम्भिक, माध्यमिक, बुनियादी साक्षरता और संख्याज्ञान, ईसीसीई को, शिक्षकों, मुख्य शिक्षकों/प्रधानाचार्यों और शैक्षिक प्रबंधन में अन्य हितधारकों के लिए स्कूली शिक्षा के विभिन्न चरणों के लिए शुरु किया गया है।
iii. शिक्षा मंत्रालय द्वारा 12 नवंबर, 2021 को एक बेहतर शिक्षा प्रणाली के संकेतक के रूप में बच्चों की प्रगति और अधिगम क्षमता का मूल्यांकन करने और विभिन्न स्तरों पर सुधारात्म्क कार्यों के लिए उचित कदम उठाने के लिए राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण (एनएएस) 2021 आयोजित किया गया है।
iv. राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को ग्रेड देने के लिए 73 संकेतक-आधारित मैट्रिक्स प्रदर्शन ग्रेडिंग इंडेक्स (पीजीआई) विकसित किया गया है। जिला स्तरीय प्रदर्शन ग्रेडिंग सूचकांक (पीजीआई) तैयार

किया गया है और पीजीआई-जिला के संकलन के लिए एक वेब एप्लिकेशन विकसित किया गया है।

v. विद्या प्रवेश- ग्रेड-1 के बच्चों के लिए तीन महीने के खेल-आधारित स्कूल तैयारी मॉड्यूल के लिए 29 जुलाई, 2021 को दिशानिर्देश जारी किए गए हैं ताकि सभी बच्चों को ग्रेड-1 में एक हँसता-खेलता और प्यार भरा वातावरण मिल सके।

vi. राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) द्वारा भारतीय सांकेतिक भाषा को माध्यमिक स्तर पर एक विषय के रूप में पेश किया गया है।

vii. समग्र शिक्षा के तहत प्रारम्भिक स्तर पर सुधारात्मक शिक्षण और ब्रिज कोर्स जैसे दृष्टिकोण को अपनाया गया है और अधिगम अंतरालों की पहचान करके और विशेष ग्रेड के लिए मुख्य अधिगम पूर्वापेक्षाओं हेतु छात्रों को तैयार करके अधिगम संवर्धन कार्यक्रम जैसे अधिक प्रगतिशील दृष्टिकोण लागू किए जाते हैं।

****